भारत - जॉर्जिया संबंध

भारत ने जॉर्जिया की आजादी को 26 दिसंबर, 1991 को मान्यता प्रदान की तथा 28 सितंबर, 1992 को इसके साथ औपचारिक रूप से राजनयिक संबंध स्थापित किए। इस समय, जॉर्जिया में कोई भारतीय रेजीडेंट मिशन नहीं है। येरेवन में निवास के साथ अर्मेनिया में भारत के राजदूत को समवर्ती रूप से जॉर्जिया की भी जिम्मेदारी सौंपी जाती है। जॉर्जिया ने पहली बार 2005 में दिल्ली में अपना मानद कांसुलेट खोला था जिसे आगे चलकर एक पूर्ण दूतावास में अपग्रेड कर दिया गया। भारत में जॉर्जिया के पहले रेजीडेंट राजदूत 25 फरवरी, 2010 को नई दिल्ली पहुंचे थे। टिबलिस में 17 नवंबर, 2013 को जॉर्जिया के नए राष्ट्रपति के रूप में श्री गिरोगी मार्गवेलाशविली ने शपथ ग्रहण की।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि :

साहित्य एवं लोकगीत आधारित प्रचुर साक्ष्य मौजूद हैं जो यह संकेत देते हैं कि भारत एवं जार्जिया के बीच संपर्क तथा जॉर्जिया में भारत के बारे में जानकारी मानव सभ्यता के बहुत शुरूआती काल से मौजूद रही है। ऐसा माना जाता है कि भारत के पंचतंत्र की कहानियों से जॉर्जिया का लोक साहित्य प्रभावित हुआ है। मिशनरी, यात्रियों एवं व्यापारियों के माध्यम से मध्यकाल में ये संपर्क और सुदृढ़ हुए। ऐसा माना जाता है कि जॉर्जिया के लोगों ने मुगल न्यायालयों में सेवाएं प्रदान की थी तथा उनमें से कुछ को राज्यपाल के पद भी दिए गए थे। मुगल सम्राट औरंगजेब की पत्नी उदयपुरी बेगम जॉर्जिया मूल की थी। वर्तमान में गोवा के सेंट अगस्टीन टावर की पुरातात्विक खुदाई चल रही है जिसके पीछे यह धारणा है कि उनकी महारानी सेंट कटेवन (जिन्होंने शिराज में 1624 में शहादत प्राप्त की थी तथा उन्हें अब संत का दर्जा दिया गया है) को इस टावर में दफनाया गया है (जहां पुर्तगालियों ने उनके मृत शरीर को पहुंचाया था)।
सोवियत काल के दौरान प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने 1955 में टिबलिस का दौरा किया था; प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने 1976 में टिबलिस का दौरा किया था। श्री अटल बिहारी वाजपेयी ने विदेश मंत्री के रूप में जून, 1978 में जॉर्जिया का दौरा किया।

महत्वपूर्ण यात्राएं

जॉर्जिया के विदेश मंत्री इराक्ली मेनागरिशविली तथा भारत के विदेश मंत्री श्री यशवंत सिंह ने 11 मई, 2000 को बैठक की। इस यात्रा के दौरान, विदेश कार्यालय परामर्श के लिए एक प्रोटोकाल पर हस्ताक्षर किया गया। द्विपक्षीय स्तर पर यह एकमात्र उच्च स्तरीय राजनीतिक आदान -

प्रदान था। प्रवासी भारतीय मामले मंत्रालय में सचिव श्री परवेज दीवान ने जॉर्जिया के पहले 'डायसपोरा दिवस' में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए 26 से 28 मई, 2012 के दौरान टिबलिस का दौरा किया। जॉर्जिया के उप विदेश मंत्री श्री डेविड जलगानिया के नेतृत्व में जॉर्जिया के एक शिष्टमंडल ने दिल्ली में 29-30 अप्रैल, 2014 को आयोजित पहले अंतर सरकारी आयोग (आई जी सी) में भाग लिया।

अंतर्राष्ट्रीय मंचों में सहयोग

जॉर्जिया ने अंतर्राष्ट्रीय नागर विमानन संगठन (आई सी ए), यूनेस्को में कार्यपालक बोर्ड तथा अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन (आई एम ओ) जैसे विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय मंचों में वर्ष 2013 में, यू एन एच आर सी में 2015 में और विश्व सीमा शुल्क संगठन में 2015 में भारत की उम्मीदवारी का समर्थन किया। भारत ने 2013 में अंतर्राष्ट्रीय जल विज्ञान संगठन (आई एच ओ) में जॉर्जिया की उम्मीदवारी का समर्थन किया।

संस्थागत तंत्र

भारत और जॉर्जिया के बीच द्विपक्षीय वार्ता का आयोजन विदेश कार्यालय परामर्श (एफ ओ सी) के माध्यम से होता है जो विदेश मंत्रियों के स्तर पर नियमित परामर्श का अवसर प्रदान करता है तथा आपसी हित के अंतर्राष्ट्रीय, क्षेत्रीय एवं द्वपक्षीय मुद्दों पर अन्य सहमत स्तरों पर परामर्श का अवसर प्रदान करता है। विदेश कार्यालय परामर्श के चौथे सत्र का आयोजन 15-16 जुलाई, 2013 को टिबलिस में हुआ। संयुक्त सचिव (ई आर एस) ने भारतीय शिष्टमंडल का नेतृत्व किया। उन्होंने विदेश उप मंत्री, वित्त मंत्री एवं कृषि मंत्री से मुलाकात की। परामर्श आपसी हित के सभी क्षेत्रों तथा क्षेत्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर द्विपक्षीय सहयोग पर केंद्रित था। जांच के लिए जॉर्जिया को कांसुलर मुद्दों पर प्रारूप करार सौंपे गए।

अंतर सरकारी आयोग (आई जी सी) की पहली बैठक 29-30 अप्रैल, 2014 को नई दिल्ली में हुई। भारतीय शिष्टमंडल का नेतृत्व सचिव (पश्चिम) श्री दिनकर खुल्लर द्वारा किया गया तथा जॉर्जिया के शिष्टमंडल का नेतृत्व जॉर्जिया के उप विदेश मंत्री श्री डेविड जलगानिया द्वारा किया गया। आईजीसी सत्र के बाद फिक्की में एक कारोबार मंच का आयोजन किया गया जिसमें प्रत्येक देश में मौजूद व्यापार एवं निवेश के अवसरों पर प्रस्तुतियां दी गई। परस्पर लाभप्रद वाणिज्यिक एवं औद्योगिक हितों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मैत्री एवं सहयोग स्थापित करने के लिए फेडरेशन ऑफ इंडियन चेंबर्स आफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज (फिक्की) तथा जार्जियन चेंबर्स ऑफ कामर्स के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया।

व्यापार और आर्थिक सहयोग:

भारतीय सांख्यिकी के अनुसार दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार अपेक्षाकृत साधारण है तथा व्यापार संतुलन हमेशा भारत के पक्ष में रहा है। जियो-स्टेट के 2014 **के लिए प्रारंभिक आंकड़ों के अनुसार, जॉर्जिया से भारत को कुल निर्यात** 10.7 **मिलियन अमरीकी डालर के आसपास था तथा भारत से जॉर्जिया को कुल आयात** 50.5 **मिलियन अमरीकी डालर के आसपास था। इस्पात, अवसंरचना, कृषि फार्मिंग तथा सेवा क्षेत्र ऐसे कुछ क्षेत्रों में शामिल हैं जिसमें भारतीय कंपनियों द्वारा जार्जिया में भारी मात्रा में निवेश किया गया है। भारत से व्यक्तिगत निवेशकों, जो अधिकांशत: पंजाब से हैं** (150 **के आसपास) ने प्रति निवेशक** 10 **हेक्टेयर के औसत से जार्जिया में खेती के लिए खेतिहर भूमि का अधिग्रहण किया है। तथापि, वास्तव में केवल** 5-10 **ने सक्रिय खेती का कार्य शुरू किया है। टाटा पावर जार्जिया में प्रवेश करने वाली नई भारतीय कंपनी है जिसका निवेश** 280 **मिलियन अमरीकी डालर के आसपास है तथा यह** 700 **मिलियन अमरीकी डालर मूल्य की एक विद्युत परियोजना में यूरोप के अन्य प्रमुख निवेशकों के साथ संयुक्त रूप से काम कर रही है।**

फार्मेक्सिल के तत्वावधान में फरवरी, 2014 **में एक भारतीय फार्मा शिष्टमंडल ने पहली बार जॉर्जिया का दौरा किया जिसमें** 24 **भारतीय फार्मास्यूटिकल कंपनियां शामिल थी। शिष्टमंडल ने उपयोगी व्यवसाय दर व्यवसाय बैठक की तथा जॉर्जिया में विभिन्न फार्मास्यूटिकल प्लांट एवं प्रयोगशालाओं का दौरा किया।**

सांस्कृतिक सहयोग

18 **सितंबर,** 2013 **को टिबलिस में आई सी सी आर द्वारा प्रायोजित एक** 15 **सदस्यीय बालीवुड नृत्य एवं संगीत समूह 'शुगर एन स्पाइस' ने परफार्मेंस दिया। यह कार्यक्रम जॉर्जिया के संस्कृति और स्मारक संरक्षण मंत्रालय के सहयोग से भारतीय मिशन द्वारा आयोजित किया गया था। लगभग** 500 **लोगों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया तथा बालीवुड समूह द्वारा प्रदर्शित नृत्य का लुत्फ उठाया। कार्यक्रम देखने वाले लोगों में जॉर्जिया के उप संस्कृति मंत्री, विभिन्न मंत्रालयों / विभागों के वरिष्ठ अधिकारी एवं डिग्नीटरी, जॉर्जिया के नागरिक तथा भारत के शुभचिंतक, जॉर्जिया में रहने वाले भारतीय समुदाय के सदस्य शामिल थे।**

टिबलिस के सबसे प्रमुख क्षेत्र में स्थित सिनेमा थिएटरों में एक भारतीय फिल्म सप्ताह (21 **से** 24 **मार्च) का आयोजन किया गया। यह आयोजन भारतीय सिनेमा के** 100 **साल पूरा होने के अवसर पर आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम जॉर्जिया के संस्कृति एवं स्मारक संरक्षण**

मंत्रालय के सहयोग से (आंशिक वित्त पोषण) से भारतीय दूतावास द्वारा आयोजित किया गया तथा भारतीय सांस्कृतिक संघ 'भारत' के सक्रिय समन्वय से इसका मंचन किया गया। कार्यक्रम को कार्यकारी संस्कृति मंत्री तथा उप विदेश मंत्री द्वारा संबोधित किया गया।

गांधी प्रतिष्ठान, भारत के सहयोग से टिबलिस में इंस्टिट्यूट ऑफ मल्टी टास्क डिप्लोमेसी में 30 जून, 2014 को टिबलिस में एक 'गांधी प्रतिष्ठान, जॉर्जिया' का उद्घाटन किया गया। इस संस्थान द्वारा अहिंसा एवं जन सत्याग्रह पर समर्पित एक सेमिनार का आयोजन किया गया जिसमें कनाडा और भारत के गांधी प्रतिष्ठान के प्रतिनिधियों ने व्याख्यान दिया। प्रतिष्ठान ने दूसरे महत्वपूर्ण शहर बटूमी में भी अपनी शाखा खोली है तथा जॉर्जिया में गांधी जी के सत्य एवं अहिंसा के दर्शन का प्रचार - प्रसार करने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन में सक्रिय रूप से शामिल रहा है।

नर्तकों एवं गायकों से युक्त जार्जिया के कलाकारों के एक समूह ने हरियाणा में 1 से 15 फरवरी तक वार्षिक सूरजकुंड मेला में अपनी कला का प्रदर्शन किया।

21 जून 2015 को टिबलिसी में पहला अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया जिसमें 200 से अधिक लोगों ने भाग लिया। जार्जिया पक्ष का प्रतिनिधित्व टिबलिसी के डिप्टी मेयर द्वारा किया गया।

<u>अतुल्य भारत - पर्यटन सेमिनार</u>

फ्रैंकफोर्ट में भारत के पर्यटन मंत्रालय के क्षेत्रीय कार्यालय के साथ मिलकर भारतीय दूतावास द्वारा टिबलिस, जॉर्जिया में 26 सितंबर, 2014 को पहली बार भारतीय पर्यटन सेमिनार "अतुल्य भारत'' का आयोजन किया गया। जॉर्जिया के कुल 62 टूर आपरेटरों ने सेमिनार में भाग लिया। सेमिनार के दौरान, अतुल्य भारत तथा भारत सरकार की वीजा नीति पर पावर प्वाइंट प्रस्तुति दी गई।

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ए एस आई) के अधीक्षण पुरातत्ववेत्ता श्री ताहेर ने 22 से 24 सितंबर, 2014 के दौरान आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय परिषद के सेमिनार में भाग लिया।

<u>भारत की विकास / क्षमता निर्माण सहायता</u>

2015-16 में जार्जिया को 15 आई टी ई सी स्लाटों का आबंटन किया गया है। भारतीय विश्वविद्यालयों में अवर स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों की पढ़ाई करने के लिए आई सी सी

आर छात्रवृत्तियों तथा भारत में हिंदी सीखने के लिए केंद्रीय हिंदी संस्थान की छात्रवृत्तियों की जॉर्जिया के नागरिकों को पेशकश की जाती है।

भारतीय समुदाय

जॉर्जिया में भारतीय समुदाय के तहत छात्र, कारोबारी, कृषक एवं मजदूर शामिल हैं। वर्ष 2012 **से उनकी संख्या तेजी से बढ़ रही है तथा इस समय लगभग** 2000 **भारतीय जॉर्जिया में रह रहे हैं। इस आंकड़े में टिबलिस राज्य चिकित्सा विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले** 700 **छात्र तथा भारतीय कंपनियों के लिए काम करने वाले लगभग** 200 **भारतीय नागरिक भी शामिल हैं जो जॉर्जिया में अवसंरचना क्षेत्र में अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। भारतीय समुदाय के विरूद्ध जातीय हिंसा का कोई भी मामला भारतीय मिशन की जानकारी में नहीं आया है। भारतीय फिल्में एवं भोजन जॉर्जिया में लोकप्रिय हैं; टिबलिस में चार भारतीय रेस्टोरेंट हैं। हिंदी सीखने में रूचि दर्शनीय है। भारत - जॉर्जिया सांस्कृतिक संघ 'भारत' भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने के कार्य में लगा है; यह टिबलिस में हिंदी की कक्षाओं का समन्वय कर रहा है।**

उपयोगी संसाधन :

भारतीय दूतावास, येरेवन की वेबसाइट :
http://indianembassy.am/

***

जून *2015*